# मीका

### शोमरोन और इस्राएल को दण्ड दिया जायेगा

1 यहोवा का वह वचन जो राजा योताम, आहाज और
हिजकिय्याह के समय में मीका को प्राप्त हुआ। ये
पुरुष यहूदा के राजा थे। मीका मोरेशेती से था। मीका
ने शोमरोन और यरूशलेम के बारे में ये दर्शन
देखे।

2हे लोगों, तुम सभी सुनो! हे धरती और जो कुछ
धरती पर है, सुन। मेरा स्वामी यहोवा इस पवित्र मन्दिर
से जायेगा। मेरा स्वामी तुम्हारे विरोध में एक साक्षी के
रूप में आयेगा।

3देखो, यहोवा अपने स्थान से बाहर जा रहा है। वह
धरती के ऊँचे स्थानों पर चलने के लिये उतर कर
नीचे आ रहा है।

4परमेश्वर यहोवा के पांव तले पहाड़ पिघल जायेंगे,
घाटियाँ चरमरा जायेंगी। जैसे आग के सामने मोम पिघल
जाता है, जैसे ढलान से पानी उतरता हुआ बहता है।

5ऐसा क्यों होगा? यह इसलिये होगा कि याकूब ने पाप
किया है। क्योंकि इस्राएल के वंश ने पाप किया है।

### शोमरोन, पाप का कारण

याकूब से किसने पाप मानने से मना करवाया है?
वह तो शोमरोन है! यहूदा में और कौन ऊँचा स्थान है?
यह तो यरूशलेम है!

6इसलिये मैं शोमरोन को खाली मैदान के खण्डहरों
का ढ़ेर बनाऊँगा। वह ऐसा स्थान हो जायेगा जिसमें
अंगूर लगाये जाते हैं। मैं शोमरोन के पत्थरों को घाटी में
नीचे उखाड़ फेंकूँगा और मैं उसकी नीवों को बर्बाद
करदूँगा!

7उसके सारे मूर्ति टुकड़ों में तोड़ दिये जायेंगे। सारा
धन, जो भी इसने कमाया है, आग से भस्म होगा और
मैं इसके झूठे देवताओं की मूर्तियों को नष्ट कर दूँगा
क्योंकि शोमरोन से ये वस्तुएँ मेरे प्रति सच्चा न रहकर
के पाई। सो ये सारी वस्तुएँ दूसरों के पास चली जायेंगी।
ऐसे लोगों के पास जो मेरे प्रति सच्चे नहीं हैं।

### मीका का महान दुःख

8मैं इस शीघ्र आने वाले विनाश के कारण व्याकुल
होऊँगा और हाय–हाय करूँगा। मैं जूते न पहनूँगा और
न वस्त्र धारण करूँगा। गीदड़ों के जैसे मैं जोर से
चिल्लाऊँगा। मैं विलाप करूँगा जैसे शुतुर्मुर्ग करते हैं।

9शोमरोन का घाव नहीं भर सकता है। उसकी व्याधि
(पाप) यहूदा तक फैल गया है। यह मेरे लोगों के नगर–द्वार
तक पहुँच गया बल्कि यह तो यरूशलेम तक आ गया
है।

10इसकी बात गात की नगरी में मत करो। अको में
मत रोओ। विलाप करो और बेत–आप्रा को मिट्टी में
लोटों। 11हे शापीर की निवासिनी, तू अपनी राह नंगी
चली जा और लज्जाहीन हो कर चली जा। वे लोग, जो
सानान के निवासी हैं, बाहर नही निकलेंगे। बेतेसेल के
लोग रोये बिलखायेगें और तुम से इसका सहारा लेंगे।

12ऐसा वह व्यक्ति जो मारोत का निवासी है, सुसमाचार
आने को बाट जोहता हुआ दुर्बल हुआ जा रहा है। क्यों?
क्योंकि यहोवा से नीचे यरूशलेम के नगर द्वार पर
विपत्ती के उतरी है।

13हे लाकीश की निवासियों, तुम वेगवान घोड़ों को
रथ में जोतो। सिय्योन के पाप लाकीश में शुरु हुए थे।
क्यों? क्योंकि तू इस्राएल के पापों का अनुसरण करती
है।

14सो तुझे गात में मोरेशेत को विदा के उपहार देने
हैं। इस्राएल के राजा को अकजीब के घराने छलेंगे।

15हे मारेशा के निवासियों, तेरे विरुद्ध मैं एक व्यक्ति
को लाऊँगा जो तेरी सब वस्तुओं को छीन लेगा। इस्राएल
की महिमा (परमेश्वर) अदुल्लाम में आयेगी।

16इसलिये तू अपने बाल काट ले और तू गंजा बन
जा। क्यों? क्योंकि तू अपने बच्चों के लिये जिनसे तू
प्यार करता था रोये चिल्लायेगा और तू शोक दर्शाने
के लिये गंजा गिद्ध बन जा। क्यों? क्योंकि वे तुझको
छोड़ने को और बाहर निकल जाने को विवश हो
जायेंगे।

### लोगों की बुरी योजनाएँ

2 ऐसे उन लोगों पर विपत्तियाँ गिरेंगी, जो पापपूर्ण
योजना बनाते हैं। ऐसे लोग बिस्तर में सोते हुए
षड़यन्त्र रचते हैं और पौ फटते ही वे अपने षड़यन्त्रों पर
चलने लगते हैं। क्यों? क्योंकि उन के पास उन्हें पूरा
करने की शक्ति है।

2उन्हें खेत चाहिये सो वे उनको ले लेते हैं। उनको
घर चाहिये सो वे उनको ले लेते हैं। वे किसी व्यक्ति को
छलते हैं और उसका घर छीन लेते हैं। वे किसी व्यक्ति
को छलते हैं और वे उससे उसकी वस्तुएँ छीन लेते हैं।

### लोगों को दण्ड देने की यहोवा की योजनाएँ

3इसलिये यहोवा ये बातें कहता है, "देखो, मैं इस
परिवार पर विपत्तियाँ ढाने की योजना रच रहा हूँ। तुम
अपनी सुरक्षा नहीं कर पाओगे। इस जुए के बोझ से तुम
सिर ऊँचा करके नहीं चल पाओगे। क्यों? क्योंकि यह
एक बुरा समय होगा।

4उस समय लोग तेरी हँसी उड़ाएँगे। तेरे बारे में लोग
करुण गीत गायेंगे और वे कहेंगे:

'हम बर्बाद हो गये! यहोवा ने मेरे लोगों की धरती
छीन ली है और उसे दूसरे लोगों को दे दिया है। हाँ
उसने मेरी धरती को मुझसे छीन लिया है। यहोवा ने
हमारी धरती हमारे शत्रुओं के बीच बाँट दी है।'

5"तेरी भूमि कोई व्यक्ति नाप नहीं पायेगा। यहोवा के
लोगों में भूमि को बाँटने के लिये लोग पासे नहीं डालेंगे।"

### मीका को उपदेश देने को मना करना

6लोग कहा करते हैं, "तू हमको उपदेश मत दे। उन्हें
ऐसे नहीं कहना चाहिये, हम पर कोई भी बुरी बात नहीं
पड़ेगी।" 7हे याकूब के लोगों,किन्तु मुझे ये बातें कहनी
हैं,"जो काम तूने किये हैं, यहोवा उनसे क्रोधित हो रहा
है। यदि तुम लोग उचित रीति से जीवन जीते तो मैं
तुम्हारे लिये अच्छे शब्द कहता।"

### परमेश्वर के लोग परमेश्वर के शत्रु हो गये

8किन्तु अभी हाल में, मेरे ही लोग मेरे शत्रु हो गये हैं।
तुम राहगीरों के कपड़े उतारते हो। जो लोग सोचते हैं
कि वे सुरक्षित हैं, किन्तु तुम उनसे ही वस्तुएँ छीनते हो
जैसे वे युद्धबन्दी हो।

9मेरे लोगों की स्त्रियों को तुमने उनके घर से निकल
जाने को विवश किया जो घर सुन्दर और आराम देह
थे। तुमने मेरी महिमा को उनके नन्हे बच्चों से सदा–सदा
के लिये छीन लिया है। 10उठो और यहाँ से भागों! यह
विश्राम का स्थान नहीं है। क्योंकि यह स्थान पवित्र नहीं
है, यह नष्ट हो गया! यह भयानक विनाश है।!

11सम्भव है, कोई झूठा नबी आये और वह झूठ
बोले। सम्भव है, वह कहे, "ऐसा समय आयेगा जब
दाखमधु बहुत होगा, जब मदिरा बहुतायत में होगी और
फिर इस तरह वह उसका नबी बन जायेगा।"

### यहोवा अपने लोगों को एकत्र करेगा

12हाँ, हे याकूब के लोगों, मैं तुम सब को ही इकट्ठा
करूँगा। मैं इस्राएल के बचे हुए लोगों को एकत्र करूँगा।
जैसे बाड़े में भेड़े इकट्ठी की जाती हैं, वैसे ही मैं उनको
एकत्र करूँगा जैसे किसी चरागाह में भेंड़ो का झुण्ड।
फिर तो वह स्थान बहुत से लोगों के शोर से भर
जायेगा। 13उनमें से कोई एक मुक्तिदाता उभरेगा। प्राचीर
तोड़ता वहाँ द्वार बनाता, वह अपने लोगों के सामने
आयेगा। वे लोग मुक्त होकर उस नगर को छोड़ निकलेंगे।
उनके सामने उनका राजा चलेगा। लोगों के सामने
उनका यहोवा होगा।

### इस्राएल के मुखिया बुराई के अपराधी हैं

3 फिर मैंने कहा, "हे याकूब के मुखियाओं, अब
सुनो। हे इस्राएल के प्रजा के शासकों, अब सुनो।
तुमको जानना चाहिये कि न्याय क्या होता है!

2"किन्तु तुमको नेकी से घृणा है और तुम लोगों की
खाल तक उतार लेते हो। तुम लोगों की हड्डियों से माँस
नोच लेते हो!

3"तुम मेरे लोगों को नष्ट कर रहे हो! तुम उनकी
खाल तक उनसे उतार रहे हो और उनकी हड्डियाँ
तोड़ रहे हो। तुम उनकी हड्डियाँ ऐसे तोड़ रहे हो जैसे
हांडी में माँस चढ़ाने के लिये।

4"तुम यहोवा से विनती करोगे किन्तु वह तुम्हें उत्तर
नहीं देगा। नहीं, यहोवा अपना मुख तुमसे छुपायेगा।
क्यों? क्योंकि तुमने बुरे कर्म किये हैं!"

### झूठे नबी

5झूठे नबी यहोवा के लोगों को जीवन की उल्टी
रीति सिखाते हैं। यहोवा उन झूठे नबियों के विषय में
यह कहता है:

"यदि लोग इन नबियों को खाने को देते हैं, तो वे
चिल्लाकर कहते हैं, तुम्हारे संग शान्ति हो, किन्तु यदि
लोग उन्हें खाने को नहीं देते तो वे सेना को उनके
विरुद्ध युद्ध करने को प्रेरित करते हैं।

6"इसलिये यह तुम्हारे लिये रात सा होगा। तुम कोई
दर्शन नहीं देख पाओगे। भविष्य के गर्त में जो छिपा है,
तुम बता नहीं पाओगे। इसलिये यह तुमको अन्धेरे जैसा
लगेगा। नबियों पर सूर्य छिप जायेगा और उनके ऊपर
दिन काला पड़ जायेगा।

7"भविष्य के दृष्टा लज्जित हो जायेंगे। वे लोग, जो
भविष्य देखतें हैं, उनके मुँह काले हो जायेंगे। हाँ, वे
सभी अपना मुँह बन्द कर लेंगे। क्यों? क्योंकि वहाँ
परमेश्वर की ओर से कोई उत्तर नहीं होगा!"

### मीका परमेश्वर का सच्चा नबी है

8"किन्तु यहोवा की आत्मा ने मुझको शक्ति, नेकी,
और सामर्थ्य से भर दिया था। मैं याकूब को उसके पाप
बतलाऊँगा। हाँ, मैं इस्राएल को उसके पापों के विषय में
कहूँगा!

### इस्राएल के मुखिया दोषी हैं

9हे याकूब के मुखियाओं, इस्राएल के शासकों, तुम
मेरी बात सुनो! तुम खरी राहों से घृणा करते हो! यदि
कोई वस्तु सीधी हो तो तुम उसे टेढ़ी कर देते हो!
10तुमने सिय्योन का निर्माण लोगों की हत्या करके
किया। तुमने यरूशलेम को पाप के द्वारा बनाया
था!11यरूशलेम के न्यायाधीश उनके पक्ष में जो न्यायालय
में जीतेगा, निर्णय देने के लिए घूस लिया करते हैं।
यरूशलेम के याजकों को धन देना पड़ता है, इसके
पहले कि वे लोगों को सीख दें। लोगों को नबियों को
धन देना पड़ता है। इसके पहले कि वे भविष्य में झाँके
और फिर भी वे मुखिया सोचते हैं कि उन पर कोई
दण्ड नहीं पड़ सकता। वे सोचा करते हैं, "यहोवा उनको
बचा लेगा और वे कहते हैं, "यहोवा हमारे बीच रहता
है। इसलिये हमारे साथ कोई बुरी बात घट नहीं सकती
है।"

12हे मुखियाओं, तुम्हारे ही कारण सिय्योन का विनाश
होगा। यह किसी जुते हुए खेत सा सपाट हो जायेगा।
यरुशलेम पत्थरों का टीला बन जायेगा और मन्दिर का
पर्वत झाड़ियों से ढका हुआ एक सूनी पहाड़ी होगा।

### व्यवस्था यरूशलेम से आयेगी

4 आगे आने वाले समय में यह घटना घटेगी यहोवा
के मन्दिर का पर्वत सभी पर्वतों में अत्यन्त ही
महत्वपूर्ण हो जायेगा। उसे पहाड़ो के ऊपर उठा दिया
जायेगा। दूसरे देशों के लोग इसकी ओर उमड़ पड़ेंगे।

2अनेक जातियाँ यहाँ आ कर कहेंगी, "आओ! चलो,
यहोवा के पहाड़ पर ऊपर चलें। याकूब के परमेश्वर
के मन्दिर चलें। फिर परमेश्वर हमको अपनी राह
सिखायेगा और फिर हम उसके पथ में बढ़ते चले
जायेंगे।" क्यों? क्योंकि परमेश्वर की शिक्षाएँ सिय्योन से
आयेंगी और यहोवा का वचन यरूशलेम से आयेगा।"

3परमेश्वर बहुत सी जातियों का न्याय करेगा। परमेश्वर
उन सशक्त देशों के फैसले करेगा, जो बहुत-बहुत दूर
हैं और फिर वे देश अपनी तलवारें गलाकर और
पीटकर हल की फाली में बदल लेंगे। वे देश अपने
भालों को पीटकर ऐसे औजारों में बदल लेंगे, जिनसे
पेड़ों की काट-छाँट हुआ करती है। देश तलवारें उठाकर
आपस में नहीं लड़ेंगे। अब वे युद्ध की विद्याएँ और
अधिक नहीं सीखेंगे।

4किन्तु हर कोई अपने अंगूरों की बेलों तले और
अंजीर के पेड़ के नीचे बैठा करेगा। कोई भी व्यक्ति
उन्हें डरा नहीं पायेगा! क्यों? क्योकि सर्वशक्तिमान यहोवा
ने यह कहा है!

5दूसरे देशों के सभी लोग अपने देवताओं का अनुसरण
करते हैं। किन्तु हम अपने परमेश्वर यहोवा के नाम में
सदा-सर्वदा जिया करेंगे!

### वह राज्य जिसे वापस लाना है

6यहोवा कहता है, "यरूशलेम पर प्रहार हुआ और
वह लंगडा हो गया। यरूशलेम को फेंक दिया गया था।
यरूशलेम को हानि पहुँचाई गई और उसको दण्ड़ दिया।
किन्तु मैं उसको फिर अपने पास वापस ले आऊँगा।

7"उस 'ध्वस्त' नगरी के लोग विशेष वंश होंगे। उस
नगर के लोगों को छोड़कर भाग जाने को विवश किया
गया था। किन्तु मैं उनको एक सुदृढ़ जाति के रूप में
बनाऊँगा।" यहोवा उनका राजा होगा और वह सिय्योन
के पहाड़ पर से सदा शासन करेगा।

8"हे रेवड़ के मीनार, हे ओपेल, सिय्योन की पहाड़ी!
जैसा पहले राज्य हुआ करता था, तू वैसा ही राज्य
बनेगी। हाँ, हे सिय्योन की पुत्री! वह राज्य तेरे पास
आयेगा।"

### इस्राएलियों को बाबुल के पास निश्चय ही क्यों जाना चाहिए?

9अब तुम क्यों इतने ऊँचे स्वर में पुकार रहे हो?
क्या तुम्हारा राजा जाता रहा है? क्या तुमने अपना
मुखिया खो दिया है? तुम ऐसे तड़प रहे हो जैसे कोई स्त्री
प्रसव के काल में तड़पती है। 10सिय्योन की पुत्री, तू
पीड़ा को झेल। तू उस स्त्री जैसी हो जा जो प्रसव की
घड़ी में बिलखती है। क्योंकि अब तुझको नगर
(यरूशलेम) त्यागना है। तुझको खुले मैदान में रहना है।
तुझे बाबुल जाना पड़ेगा किन्तु उस स्थान से तेरी रक्षा हो
जायेगी। यहोवावहाँ जायेगा और वह तुझ को तेरे शत्रुओं
से वापस ले आयेगा।

### दूसरी जातियों को यहोवा नष्ट करेगा

11तुझसे लड़ने के लिये अनेक जातियाँ आयीं। वे
कहती हैं, "सिय्योन को देखो! उस पर हमला करो!"

12लोगों की उनकी अपनी योजनाएँ है किन्तु उन्हें ऐसी
उन बातों का पता नहीं जिन के विषय में यहोवा योजना
बना रहा है। यहोवा उन लोगों को किसी विशेष प्रयोजन
के लिये यहाँ लाया। वे लोग वैसे कुचल दिये जायेंगे जैसे
खलिहान में अनाज की पूलियाँ कुचली जाती हैं।

### इस्राएल अपने शत्रुओं को पराजित कर विजयी होगा

13हे सिय्योन की पुत्री, खड़ी हो और तू उन लोगों को
कुचल दे! मैं तुम्हें बहुत शक्तिशाली बनाऊँगा। तू ऐसी
होगी जैसे तेरे लोहे के सींग हो। तू ऐसी होगी जैसे तेरे
काँसे के खुर हो। तू मार-मार कर बहुत सारे लोगों की
धज्जियाँ उड़ा देगी। "तू उनके धन को यहोवा को अर्पित
करेगी। तू उनके खजाने, सारी धरती के यहोवा को
समर्पित करेगी।"

5 हे सुदृढ़ नगर, अब तू अपने सैनिकों को एकत्र
कर। शत्रु आक्रमण करने को हमें घेर रहे हैं! वे

इस्राएल के न्यायाधीश के मुख पर अपने सोंटे से प्रहार करेंगे।

### बेतलेहेम में मसीह जन्म लेगा

2हे बेतलेहेम एप्राता, तू यहूदा का छोटा नगर है और तेरा वंश गिनती में बहुत कम है। किन्तु पहले तुझसे ही "मेरे लिए इस्राएल का शासक आयेगा।" बहुत पहले सुदूर अतीत में उसके घराने की जड़े बहुत पहले से होंगी।

3यहोवा अपने लोगों को उनके शत्रुओं के हाथ में सौंप देगा। वे उस समय तक वहीं पर बने रहेंगे जब तक वह स्त्री अपने बच्चे को जन्म नहीं देती। फिर उसके बन्धु जो अब तक जीवित हैं, लौटकर आयेंगे। वे इस्राएल के लोगों के पास लौटकर आयेंगे।

4तब इस्राएल का शासक खड़ा होगा और भेड़ों के झुण्ड को चरायेगा। यहोवा की शक्ति से वह उनको राह दिखायेगा। वह यहोवा परमेश्वर के अदभुत नाम की शक्ति से उनको राहें दिखायेगा। वहाँ शान्ति होगी, क्योंकि ऐसे उस समय में उसकी महिमा धरती के छोरों तक पहुँच जायेगी।

5 वहाँ शांति होगी, यदि अश्शूर की सेना हमारे देश में आयेगी और वह सेना हमारे विशाल भवन तोड़ेगी, तो इस्राएल का शासक सात गड़ेरिये चुनेगा। नहीं, हम आठ मुखियाओं को पायेंगे।

6वे अश्शूर के लोगों पर अपनी तलवारों से शासन करेंगे। नंगी तलवारों के साथ उन का राज्य निम्रोद की धरती पर रहेगा। फिर इस्राएल का शासक हमको अश्शूर के लोगों से बचायेगा। वे लोग जो हमारी धरती पर चढ़ आयेंगे और वे हमारे सीमाएँ रौंद डालेंगे।

7फिर बहुत से लोगों के बीच में याकूब के बचे हुए वशंज ओस के बूँद जैसे होंगे जो यहोवा की ओर से आई हो। वे घास के ऊपर वर्षा जैसे होंगे। वे लोगों पर निर्भर नहीं होंगे। वे किसी जन की प्रतीक्षा नहीं करेंगे। वे किसी पर भी निर्भर नहीं होंगे।

8बहुत से लोगों के बीच याकूब के बचे हुए लोग उस सिंह जैसे होंगे जो जंगल के पशुओं के बीच होता है।जब सिंह बीच से गुजरता है तो वह वहीं जाता है, जहाँ वह जाना चाहता है। वह पशु पर टूट पड़ता है और उस पशु को कोई बचा नहीं सकता है। उसके बचे हुए लोग ऐसे ही होंगे। 9तुम अपने हाथ अपने शत्रुओं पर उठाओगे और तुम उनका विनाश कर डालोगे।

### लोग परमेश्वर के भरोसे रहेंगे

10यहोवा कहता है: "उस समय मैं तुम्हसे तुम्हारे घोड़े छीन लूँगा। तुम्हारे रथों को नष्ट कर डालूँगा।

11मैं तुम्हारे देश के नगर उजाड़ दूँगा। मैं तुम्हारे सभी गढ़ों को गिरा दूँगा।

12फिर तुम जादू चलाने का यत्न नहीं करोगे। फिर ऐसे उन लोगों को, जो भविष्य बताने का प्रयत्न करते हैं, तुम नहीं रखोगे।

13मैं तुम्हारे झूठे देवताओं के मूर्तियों को नष्ट करूँगा। उन झूठे देवों के पत्थर के स्मृति–स्तम्भ मैं उखाड़ फेंकूँगा जिनको तुमने स्वयं अपने हाथों से बनाया है। तुम उनकी पूजा नहीं कर पाओगे।

14मैं अशेरा की पूजा के खम्भों को नष्ट कर दूँगा। तुम्हारे झूठे देवताओं को मैं तहस–नहस कर दूँगा।

15कुछ लोग ऐसे होंगे जो मेरी नहीं सुनेंगे। मैं उन पर क्रोध करूँगा और मैं उन से बदला लूँगा।

### यहोवा परमेश्वर की शिकायत

6 जो यहोवा कहता है: उस पर तुम कान दो। तुम पहाड़ो के सामने खड़े हो जाओ और फिर उनको कथा का अपना पक्ष सुनाओ, पहाड़ो को तुम अपनीकहानी सुनाओ।

2यहोवा को अपने लोगों से एक शिकायत है। पर्वतों, तुम यहोवा की शिकायत को सुनो। धरती की नीवों, यहोवा की शिकायत को सुनो। वह प्रमाणित करेगा कि इस्राएल दोषी है!

3यहोवा कहता है: हे मेरे लोगों, क्या मैंने कभी तुम्हारा कोई बुरा किया है? मैंने कैसे तुम्हारा जीवन कठिन किया है? मुझे बताओ, मैंने तुम्हारे साथ क्या किया है?

4मैं तुम को बताता हूँ जो मैंने तुम्हारे साथ किया है, मैं तुम्हे मिस्र की धरती से निकाल लाया, मैंने तुम्हे दासता से मुक्ति दिलाई थी। मैंने तुम्हारे पास मूसा, हारून और मरियम को भेजा था।

5हे मेरे लोगों, मोआब के राजा बालाक के कुचक्र याद करो। वे बातें याद करो जो बोर के पुत्र बिलाम ने बालाक से कहीं थी। वे बातें याद करो जो शित्तीमसेगिल्गाल तक घटी थी। तभी समझ पाओगे की यहोवाउचित है!"

### परमेश्वर हमसे क्या चाहता है?

6जब मैं यहोवा के सामने जाऊँ और प्रणाम करुँ, तो परमेश्वर के सामने अपने साथ क्या लेकर के जाऊँ? क्या यहोवा के सामने एक वर्ष के बछड़े की होम बलि लेकर के जाऊँ?

7क्या यहोवा एक हजार मढ़ों से अथवा दसियों हजार तेल की धारों से प्रसन्न होगा? क्या अपने पाप के बदले में मुझ को अपनी प्रथम संतान जो अपने शरीर से उपजी हैं, अर्पित करनी चाहिये?

8हे मनुष्य, यहोवा ने तुझे वे बातें बतायीं हैं जो उत्तम हैं। ये वे बातें हैं, जिनकी यहोवा को तुझ से अपेक्षा है। ये वे बातें हैं–तू दूसरे लोगों के साथ में सच्चा रह; तू दूसरो से दया के साथ प्रेम कर, और अपने जीवन नम्रता से

परमेश्वर के प्रति बिना उपहारों से तुम उसे प्रभावित करने का जतन मत करो।

### इस्राएल के लोग क्या रहे थे?

9यहोवा की वाणी यरूशलेम नगर को पुकार रही है। बुद्धिमान व्यक्ति यहोवा के नाम को मान देता हैं। इसलिए सजा के राजदण्ड पर ध्यान दे और उस पर ध्यान दे, जिसके पास राजदण्ड है!

10क्या अब भी दुष्ट अपने चुराये खजाने को छिपा रहे हैं? दुष्ट क्या अब भी लोगों को उन टोकरियों से छला करते हैं जो बहुत छोटी हैं? (यहोवा इस प्रकार से लोगों को छले जाने से घृणा करता है!)

11क्या मैं उन ऐसे बुरे लोगों को नजरअन्दाज कर दूँ जो अब भी खोटे बाँट और खोटी तराजू लोगों को ठगने के काम में लाते हैं? क्या मैं उन ऐसे बुरे लोगों को नजर अन्दाज कर दूँ, जो अब भी ऐसी गलत बोरियाँ रखते हैं, जिनके भार से गलत तौल दी जाती है?

12उस नगर के धनी पुरुष अभी भी क्रूर कर्म करते हैं! उस नगर के निवासी अभी भी झूठ बोला करते हैं। हाँ, वे लोग मनगढ़ंत झूठों को बोला करते हैं!

13सो मैंने तुम्हे दण्ड देना शुरु कर दिया है। मैं तुम्हे तुम्हारे पापों के लिये नष्ट कर दूँगा।

14तुम खाना खाओगे किन्तु तुम्हारा पेट नहीं भरेगा। तुम फिर भी भूखे रहोगे। तुम लोगों को बचाओगे, उन्हे सुरक्षित घर ले आने को किन्तु तुम जिसे भी बचाओगे, मैं उसे तलवार के घाट उतार दूँगा!

15तुम अपने बीज बोओगे किन्तु तुम उनसे भोजन नहीं प्राप्त करोगे। तुम घानी में पेर कर अपने जैतून का तेल निचोड़ोगे किन्तु तुम्हे उतना भी तेल नहीं मिलेगा जो अर्घ्य देने को पर्याप्त हो। तुम अपने अंगूरों को खूंद कर निचोड़ोगे किन्तु तुमको वह दाखमधु पीने को काफी नहीं होगा। 16ऐसा क्यों होगा? क्योंकि तुम ओम्री के नियमों पर चलते हो। तुम उन बुरी बातों को करते हो जिनको आहाब का परिवार करता था। तुम उनकी शिक्षाओं पर चला करते हो इसलिए मैं तुम्हें नष्ट भ्रष्ट कर दूँगा। तुम्हारे नगर के लोग हँसी के पात्र बनेंगे। तुम्हे अन्य राज्यों की घृणा झेलनी होगी।

### लोगो के पाप-आचरण पर मीका की व्याकुलता

7 मैं व्याकुल हूँ। क्यों? क्योंकि मैं गर्मी के उस फल सा हूँ जिसे अब तक बीन लिया गया है। मैं उन अंगूरों सा हूँ जिन्हें तोड़ लिया गया है। अब वहाँ कोई अंगूर खाने को नहीं बचे हैं। शुरु की अंजीरे जो मुझको भाती हैं, एक भी नहीं बची है।

2इस का अर्थ यह है कि सभी सच्चे लोग जाते रहे हैं। कोई भी सज्जन व्यक्ति इस प्रदेश में नहीं बचा है। हर व्यक्ति किसी दूसरे को मारने की घात में रहता है। हर व्यक्ति अपने ही भाई को फंदे में फँसाने का जतन करताहै।

3लोग दोनों हाथों से बुरा करने में पारंगत हैं। अधिकारी लोग रिश्वत माँगते हैं। न्यायाधीश अदालतों में फैसला बदलने के लिये धन लिया करते हैं। "महत्वपूर्ण मुखिया" खरे और निष्पक्ष निणर्य नहीं लेते हैं। उन्हें जैसा भाता है, वे वैसा ही काम करते हैं।

4यहाँ तक कि उनका सर्वोच्च काँटों की झाड़ी सा होता है। यहाँ तक कि उनका सर्वोच्च काँटों की झाड़ी से अधिक टेढ़ा होता है।

### दण्ड का दिन आ रहा है

तुम्हारे नबियों ने कहा था कि यह दिन आयेगा और तुम्हारे रखवालों का दिन आ पहुँचा है। अब तुमको दण्ड दिया जायेगा! तुम्हारी मति बिगड़ जायेगा! 5तुम अपने पड़ोसी का भरोसा मत करो! तुम मित्र का भरोसा मत करो! अपनी पत्नी तक से खुलकर बात मत करो! 6व्यक्ति के अपने ही घर के लोग उसके शत्रु हो जायेंगे। पुत्र अपने पिता का आदर नहीं करेगा। पुत्री अपनी माँ के विरुद्ध हो जायेगी। बहू अपने सास के विरुद्ध हो जायेगी।

### यहोवा बचाने वाला है

7मैं सहायता के लिये यहोवा को निहारुँगा! मैं परमेश्वर की प्रतिक्षा करूँगा कि वह मुझको बचा ले। मेरा परमेश्वर मेरी सुनेगा।

8मेरा पतन हुआ है। किन्तु हे मेरे शत्रु, मेरी हँसी मत उड़ा! मैं फिर से खड़ा हो जाऊँगा। यद्यपि आज अन्धेरे में बैठा हूँ यहोवा मेरे लिये प्रकाश होगा।

### यहोवा क्षमा करता है

9यहोवा के विरुद्ध मैंने पाप किया था। अत: वह मुझ पर क्रोधित था। किन्तु न्यायालय में वह मेरे अभियोग का वकालत करेगा। वह, वे ही काम करेगा जो मेरे लिये उचित है। फिर वह मुझको बाहर प्रकाश में ले आयेगा और मैं उसके छुटकारे को देखूँगा।

10फिर मेरी बैरिन यह देखेगी और लज्जित हो जायेगी। मेरे शत्रु ने यह मुझ से कहा था, "तेरा परमेश्वर यहोवा कहाँ है?" उस समय, मैं उस पर हँसूंगी। लोग उसको ऐसे कुचल देंगे जैसे गलियों में कीचड़ कुचली जाती है।

### यहूदी लौटने को हैं

11वह समय आयेगा, जब तेरे परकोटे का फिर निर्माण होगा, उस समय तुम्हारा देश विस्तृत होंगे।

12तेरे लोग तेरी धरती पर लौट आयेंगे। वे लोग अश्शूर से आयेंगे और वे लोग मिस्र के नगरों से आयेंगे। तेरे

लोग मिस्र से और परात नदी के दूसरे छोर से आयेंगे। वे पश्चिम के समुद्र से और पूर्व के पहाड़ों से आयेंगे।

13धरती उन लोगों के कारण जो इसके निवासी थे बर्बाद हुई थी, उन कर्मो के कारण जिनको वे करते थे।

14सो अपने राजदण्ड से तू उन लोगों का शासन कर। तू उन लोगों के झुण्ड का शासन कर जो तेरे अपने हैं। लोगों का वह झुण्ड जंगलों में और कर्म्मेल के पहाड़ पर अकेला ही रहता है। वह झुण्ड बाशान में रहता है और गिलाद में बसता है जैसे वह पहले रहा करता था!

### इस्राएल अपने शत्रुओं को हरायेगा

15जब मैं तुमको मिस्र से निकाल कर लाया था, तो मैंने बहुत से चमत्कार किये थे। वैसे ही और चमत्कार मैं तुम को दिखाऊँगा।

16वे चमत्कार जातियाँ देखेंगी और लज्जित हो जायेंगी। वे जातियाँ देखेंगी कि उनकी "शक्ति" मेरे सामने कुछ नहीं है। वे चकित रह जायेंगे और वे अपने मुखों पर हाथ रखेंगे! वे कानों को बन्द कर लेंगे और कुछ नहीं सुनेंगे।

17वे सांप से धूल चाटते हुये धरती पर लोटेंगे, वा भय से कापेंगे। जैसे कीड़े निज बिलों से रेंगतें हैं, वैसे ही वे धरती पर रेंगा करेंगे। वे डरे–कांपते हुये हमारे परमेश्वर यहोवा के पास जायेंगे। परमेश्वर, वे तुम्हारे सामने डरेंगे!

### यहोवा की स्तुति

18तेरे समान कोई परमेश्वर नहीं है। तू पापी जनों को क्षमा कर देता है। तू अपने बचे हुये लोगों के पापों को क्षमा करता है। यहोवा सदा ही क्रोधित नहीं रहेंगा, क्योंकि उसको तो दयालु ही रहना भाता है। 19हे यहोवा, हमारे पापों को दूर कर के फिर हमको सुख चैन देगा, हमारे पापों को तू दूर गहरे सागर में फेंक देगा।

20याकूब के हेतु तू सच्चा होगा। इब्राहीम के हेतु तू दयालु होगा। तूने ऐसी ही प्रतिज्ञा बहुत पहले हमारे पूर्वजो के साथ की थी।

*Bible League International and its Global Partners provide Scriptures for millions of people who still do not have the life-giving hope found in God's Word. Every purchase of an Easy-to-Read Translation™ enables the printing of a Bible for a person who needs God's Word somewhere in the world. To provide even more Scriptures for more people, please make a donation at www.bibleleague.org/donate or contact us at Bible League International, 1 Bible League Plaza, Crete, IL 60417, USA. Bible League International exists to develop and provide Easy-to-Read Bible translations and Scripture resources for churches and partners as they help people meet Jesus.*

**Hindi Holy Bible: Easy-to-Read Version™ (ERV™)**
© 1995 Bible League International

Maps, Illustrations © Bible League International

Additional materials © Bible League International

All rights reserved.

This copyrighted material may be quoted up to 1000 verses without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. This copyright notice must appear on the title or copyright page:

> Taken from the Hindi Holy Bible: Easy-to-Read Version™ (ERV™) © 1995 Bible League International and used by permission.

When quotations from the ERV are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials (ERV) must appear at the end of each quotation. Requests for permission to use quotations or reprints in excess of 1000 verses or more than 50% of the work in which they are quoted, or other permission requests, must be directed to and approved in writing by Bible League International.

God's Word. Local Church. Global Strategy.™

Bible League International
1 Bible League Plaza
Crete, IL 60417, USA
*Phone:* 866–825–4636
*Email:* permissions@bibleleague.org
*Web:* www.bibleleague.org

**B-HIN-89800: ISBN: 978-1-935189-80-0** **B-HIN-89992: ISBN: 978-1-935189-99-2**
**B-HIN-07536: ISBN: 978-1-61870-753-6** **B-HIN-61738-POD: ISBN: 978-1-62826-173-8**

**Free downloads: www.bibleleague.org/downloads**